JANIJYA MAHAVIDYALAYA VANIJYAM

PATNA UNIVERSITY

Vol. I, No. 1

College Bulletin

First Issue, 2015

From the Principal's Desk



am very happy to present before you, the I first issue of "Vanijyam", the first of its kind in the 62 years history of the Vanijya Mahavidyalaya. In this issue you may get glimpse of the journey of this unique institution dedicated to vertical and horizontal growth of commerce education as a single faculty P.G. College in the State. Since my third joining as the

Principal of this college on the 12th May, 2015 a number of positive events and activities have taken place in the college with the help and cooperation of my dear students, teachers and non-teaching staff i.e. Vanijya Mahavidyalaya Parivar. This breeze of team spirit and brotherhood will blow and I hope this will be able to create and nourish the talents and growth in the right direction. Still we have to go miles and miles ahead with "Vanijyam" as a source of inspiration. I wish "Vanijyam" may get a long life. Branmanard Endey

Contents

Events at a Glance	2-4
 Sahitya Parisad's Activities 	2
 Independence Day Celebration 	2
 World Yoga Day (21 June) 	2
Namkaran Divas (9 Šept.)	2
• IGNOU	2 3
 Cooperative Society 	3
 Health Facilities 	3
■ N.S.S.	3
 NAAC Preparations 	3
List of College Toppers (B.Com/M.Com.)	4
Faculty Meeting	4
 Our Vision, Mission & Objectives 	4
 Research Council 	4
 Old Students' Association 	4
 Student's Views 	4

Editorial Board

Chief Editor: Prof. (Dr.) Brahmanand Pandey

Editors: Dr. N.K. Pandey, Dr. A.K. Singh, Dr. D.N. Sharma, Dr. S.B. Lal, Dr. A. Hussain & Dr. Chandan Kumar

Graphics & Designing: Dr. S.S. Prasad, Dr. R.P. Ram & Dr. S.P. Singh

Vice-Chancellor's Blessing



have come to know that "VANIJYAM" a Lquarterly college bulletin is going to be published by the Vanijya Mahavidyalaya. Appreciating the attempt I wish the bulletin a grand success in creation and promotion of positive academic environment in the campus.

Prof. (Dr.) Yedla C. Simhadri M.A., Ph.D. (U.S.A.), D. Lit., LL.D., M.S.W., B.L. (India), D.Y.W. (London), C.R.Y.W. (Germany), L.I.E. (Japan)



(Prof. Yedla C. Simhadri) Vice Chancellor, Patna University

कल, आज और कल

आइये! समय की शिला पर वाणिज्य महाविद्यालय की यात्रा के अंकित पदचिन्हों पर

एक विहंगम दृष्टि निक्षेप करें। आपको यह विदित हो कि पटना वि०वि० की स्थापना 01 अक्टूबर 1917 को हुई थी। शैशव अवस्था में यहाँ केवल कला एवं विज्ञान विषयों की पढाई होती थी। विषय के रूप में वाणिज्य संकाय की शुरूआत सर्वप्रथम 1951 में स्नातकोत्तर विभाग से हुई जिसे "व्यावहारिक अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग" के द्वारा नामित किया गया। आपको यह भी जात हो कि राष्ट्रीय स्तर पर पटना विश्वविद्यालय सप्तम सोपान पर स्थित है। यहाँ वाणिज्य विषय में स्नातक शिक्षा का श्री गणेश प्रथमत: 06 दिसम्बर 1953 को स्थानीय पटना लॉ कॉलेज में बी०कॉम० क्लासेज के नाम से हुआ और कालान्तर से सन् 1957 मार्च में पटना कॉलेज परिसर में स्थानान्तरित हो गया। इसे 08 सितम्बर, 1974 तक पटना कॉलेज के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग के रूप में जाना जाता रहा। जैसा कि होता रहा है, कालचक्र ने गति को विस्तार दिया और पटना विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपित आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा ने 09 सितम्बर 1974 को पटना कॉलेज के वाणिज्य विभाग को वाणिज्य महाविद्यालय का स्वतंत्र अस्तित्व प्रदान किया जो आगमिष्यत् इतिहास में महाविद्यालय के नामकरण दिवस के रूप में चिन्हित हुआ। सन् 1985 में विणज्य महाविद्यालय में एम०कॉम० कक्षा प्रारंभ की गयी। आज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से इसे स्नातकोत्तर कॉलेज का दर्जा प्राप्त है। अगले सत्र अर्थात 2016-17 से हम BBA की पढाई प्रारंभ करने जा रहे हैं। तदुपरान्त MBA की पढाई शुरू करने का सतप्रयास है। हमारी यात्रा बी०कॉम० क्लासेज से वाणिज्य महाविद्यालय और स्नातकोत्तर कॉलेज होते हुए वाणिज्य विश्वविद्यालय तक की है। माँ सरस्वती हमें यथेष्ट शक्ति दें।



Events at A Glance

Sahitya Parisad's Activities

The Sahitya Parishad established on June 27, 2015 has been successful in creating literary interests in the college. Many programmes like Kavita Pathh, Gopal Singh Nepali Jayanti, Premchand Jayanti, Hindi Divas, Dinkar Jayanti etc. have been organised by the Council. A few of these are as below:





Dr. A. Mishra, Dean, Faculty of Science, P.U. reciting his poems on 27th June, 2015 in the seminar hall of the college. Dr. R.K. Verma Pro V.C. P.U. is the chief gu est. University teachers and respectable citizens enjoying the function .



हिन्दी दिवस (14 सितम्बर) पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो० तरूण कुमार हिन्दी विभाग पटना कॉलेज।



Lighting the lamp on the occasion of Dinkar Jayanti Prof. Ashok Kumar, HOD English, College of Commerce (M.U.), alongwith Dr. N.K. Chaudhary and principle Dr. B.N. Panday.



Cultural team of the college presenting welcome song on Dinkar Jayanti.

Independence Day Celebration



मुंशी प्रेमचन्द जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो॰ मटुक नाथ चौधरी, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, पटना विश्वविद्यालय।

वाणिज्य महाविद्यालय परमा विश्वक्रान्त परम-२००००

Proceeding for Flag Hoisting on 15th of August, 2015.

ALE .

Singing National Anthem after Flag hoisting.



Cultural team of the college presenting National Songs.

World Yoga Day



विश्व योग दिवस के अवसर पर 19-21 जून, 2015 तक योग शिविर का आयोजन श्री रामसुभग सिंह (РП) के नेतृत्व में किया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ॰ प्रभाकर देवराज, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, केन्द्रीय औषधालय, पटना विश्वविद्यालय ने किया। शिविर में छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को योगाभ्यास कराते हुए डॉ॰ देवराज साथ में हैं प्राचार्य प्रो॰ ब्रह्मानन्द पाण्डेय।



महाविद्यालय का 42वां नामकरण दिवस 9 सितम्बर, 2015 को समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रो॰ रमाकान्त पाण्डेय अवकाश प्राप्त शिक्षक तथा श्री कृष्ण देव सिंह अवकाश प्राप्त कर्मचारी को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता थे प्रो॰ (डॉ॰) अशोक कुमार, अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मगध विश्वविद्यालय (पटना)। समारोह में स्वागत गान प्रस्तुत करते हुए – प्रीति, वर्षा, शिवानी, आस्था, सुनिधि, शांतनु, दीपक और श्रीतेजश।



Faculty Meeting



The Dean Faculty of Commerce cum The Principal Vanijya Mahavidyalaya, Dr. B.N. Pandey hosted the meeting of the faculty on the 13th August, 2015 at V.C. residence to constitute the Board of courses and studies for Commerce. The group photograph depicting the occasion. In the middle in suit is Prof. (Dr.) Y.C. Simhadri, Hon'ble Vice-Chancellor, P.U. and left to him Dr. A.L. Chakraborty, Dr. R.K. Verma, P.V.C., P.U., Dr. B.N. Pandey, Dean Faculty of Commerce, Prof. (Dr.) J.B. Nadda, H.P. Uni., Shimla, Dr. A.K. Singh and Dr. R.P. Ram, Right to Hon'ble V.C. are Prof. U. Mishra, Prof. (Dr.) H. Venkateshwarlu, Osmania Univ., Hydrabad, Dr. S.B. Lal, Dr. B. Jha, Former Head and Dean, Faculty of Commerce, BHU, Prof. (Dr.) P. Indrasena Reddy, Kakatiya Univ., Warangal, Dr. M.C. Pd. Dr. D.N. Sharma, Dr. S.S. Prasad and Dr. A. Hussain.

IGNOU

The Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has its oldest and the first study centre in Bihar (501) at Vanijya Mahavidyalaya exclusively for Commerce and Management.

HEALTH FACILITIES

The teachers, students and employees of the college are provided excellent medical facilities through the Patna University Central Dispensary. To avail this one has to get a health card issued by the principal of the college.

COOPERATIVE SOCIETY

र्ष 1987 से सफलतापूर्वक कार्यरत वाणिज्य महाविद्यालय कर्मचारी बचत एवं साख सहयोग समिति लि॰ पटना अपने सदस्यों को एक लाख रूपये तक का ऋण माँग पर तत्काल उपलब्ध कराती है। सभी शिक्षक एवं कर्मचारी समिति के सदस्य हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों का एक पृथक वाणिज्य महाविद्यालय शिक्षकत्तर कर्मचारी कल्याण कोष वर्ष 1993 से कार्यरत है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना का धेय वाक्य "not I but you" अर्थात मैं नहीं लेकिन तुम है। इसके अन्तर्गत पुस्तकीय ज्ञान को सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जाता है तािक विश्वविद्यालय और समाज का सरोकार स्थापित हो सके। महाविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी इस योजना की सदस्यता हािसल करने के लिए स्वतंत्र है। सम्प्रति डॉ० चंदन कुमार राष्ट्रीय सेवा योजना के वािणज्य महाविद्यालय की इकाई के कार्यक्रम पदािधकारी है। विगत माहों में योजना की इस इकाई ने अनेक कार्यक्रमों द्वारा अपनी सिक्रयता का एहसास कराया है। जैसे जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम, लेख प्रतियोगिता, उन्मुखी कार्यक्रम, योग शिविर (19 से 21 जून), स्वच्छता अभियान इत्यादि।

NAAC



NAAC preparation going on in the college Dr. R.M. Singh, Dean, Faculty of Humanities P.U. participating in the Steering Committee (NAAC) meeting in the college



राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य शिक्षकों के साथ



From Students' Desk

List of College Toppers B.Com. Hons.

Year	Name	Marks
2000	Saurabh Shankar	655/800
2001	Abhishek Ranjan	648/800
2002	Rahul Jawahar	697/800
2003	Abhishek Kr. Singhania	641/800
2004	Vinit Kumar Jha	631/800
2005	Rohini	625/800
2007	Rohitabh Sharma	651/800
2008	Smita Priyadarshini	669/800
2009	Ankit Gupta	679/800
2010	Asia Ujjwal	661/800
2011	Namrata	671/800
2012	Kumari Khushboo	636/800
2013	Saurabh Suman	665/800
2014	Madhu Seth	674/800
2015	Deepa Kumari	655/800

List of College Toppers M.Com.

Year	Name	Marks
2000	Yashwant Kumar Bakshi	571/800
2001	Mukesh Kumar	566/800
2002	Anamika Yadav	581/800
2003	Harendra Tiwari	1152/1600
2004	Bhawana Verma	1064/1600
2005	Rajnish Kumar	1101/1600
2006	Wasif Hassan	1114/1600
2007	Snigdha Singh	1053/1600
2008	Jhoomer Sinha	1109/1600
2009	Pratima	1039/1600
2010	Lavanya Nupur	1165/1600
2011	Vishwajeet Singh	1146/1600
2012	Pritika Priya	1147/1600
2013	Anjana	1198/1600
2014	Suman Gokarn	1209/1600
2015	Neha Kumari Gupta	1215/1600

Our Vision

"सा विद्या या विमुक्तये" is the basic theme in general and the development of Commerce Education in Particular. Our target is to make the Vanijya Mahavidyalaya a centre for excellence in the field of Commerce Education and ultimately achieving excellence in the national development.

Our Mission

Economic development demands meaningful education in commerce subject for sustaining economic ventures. The Vanijya Mahavidyalaya is committed to produce scholars, skilled hands, entrepreneurs, businessmen, business executives and employers of ethical values for all-round growth of a learner in particular and the society in general.

Old Students' Association

It gives me immense pleasure and pride to know, that Vanijya Mahavidyalaya, Patna University my alma mater is comming out with a Quarterly Bulletin "VANIJYAM". My memory reels back to 1975-1979 when we were enriched, engaged, challenged and

equipped at Vanijya Mahavidyalaya to face the challenges of the world. For those who among many may not be as lucky as me to have been connected with their alma mater, VANIJYAM shall surely bridge the gap between the past and the present. I wish 'VANIJYAM' all success.

(J.B. Nadda, Prof. HP-UBS, HP University, Shimla)

Research Council



Rahul Kumar Research Scholar

The decision to hold meeting of the council on the last Saturday of every month is going to be very beneficial for not only a score of research scholars presently registered under the teachers of the Vanijya Mahavidyalaya but also for the others joining the line in improving the quality of their research work. On behalf of the research scholars I wish a long life for the Vanijyam.

Our objectives are to:

- Strengthen the sense "Work is God".
- Inculcate the importance of time for the success in life.
- Produce a man of character, values, knowledge, innovative ideas, managerial ability, economic leadership and socially sensitive human being
- * Make the word profit, a holistic word.

Student's Views



am very happy that our Vanijya Mahavidyalaya is going to bring out a college bulletin "VANIJYAM". It will provide a platform for the students to express their views. This will be helpful to nurture the inherent talent and future potential of the students.

VIBHUTI KUMAR SINGH, M.COM



हम विद्यार्थियों के लिए यह बहुत खुशी की बात है कि वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा पहली बार महाविद्यालय-बुलेटिन प्रकाशित किया जा रहा है। इसके द्वारा महाविद्यालय में होने वाली गतिविधियों से हम अवगत रहेंगे और हमारा मनोबल बढ़ेगा। महाविद्यालय को इस नई पहल के लिए बहुत-बहुत बधाई।

प्रीति सुमन, बी॰कॉम-III



College bulletin has a great educative as well as informative value. It may help the students to develop a sense of creativity and the sense to think and write.

Govind Narayan Singh, B.Com. Part-III



By hearing that my college is going to publish a bulletin "VANIJYAM" I exclaimed with joy and said "Now we can know more about our college and college life". By this Magzine students and teachers can express their hidden talents and thoughts.

Md. Iqbal Ansari, B.Com. Part-II